हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)

(दूर्वा)(पाठ–8)(काबुलिवाला – रवींद्रनाथ टैगोर)

(कक्षा 7)

प्रश्न 3:

पाठ संबंधी प्रश्न

प्रश्न कः

मिनी को ऐसा क्यों लगता था कि काबुलीवाला अपनी झोली में चुराए हुए बच्चों को छिपाए हुए है?

उत्तर कः

बचपन में बच्चों को डराकर रखा जाता था कि शैतानी मत करो झोली वाला बाबाजी पकड़ कर ले जाएगा इसीलिए काबुलिवाले की झोली देखकर मिनी डर जाया करती थी कि उसकी झोली में भी उसकी तरह के दो–तीन बच्चें हैं जिन्हें वह पकड़ कर लाया है ।

प्रश्न खः

मिनी की काबुलीवाले से मित्रता क्यों हो गई?

उत्तर खः

मिनी की काबुलीबाले से इसलिए मित्रता हो गई क्योंकि उसकी भी एक छोटी बेटी थी जो दूसरे मुल्क में रहती जहॉ से काबुलीवाला यहॉ मेवा बेचने आया था । वह मिनी को अपन बेटी की तरह मानता था और प्यार करता था इसलिए दोनों में मित्रता हो गई ।

प्रश्न गः

काबुलीवाला हमेशा पैसे क्यों लौटा देता था?

उत्तर गः

काबुलिवाला हमेशा पैसे इसलिए लौटा देता था क्योंकि उसे लगता था कि वह अपनी बेटी को सामान दे रहा है और बेटी से पैसे नहीं लिए जाते ।

प्रश्न घः

वर्षों बाद मिनी के पिता ने काबुलीवाले को उसकी किस बात से पहचान लिया?

उत्तर घः

वर्षों बाद जब काबुलिवाला मिनी के पिता के पास आया तो उसने अपनी जेब से एक मैला सा कागज निकालकर उनकी मेज पर रख दिया जिस पर उसकी बेटी के नन्हें हाथें के निशान छपे थे जिन्हें देखकर उन्होंने उसे पहचान लिया ।

प्रश्न 4:

सोचो और जवाब दो

प्रश्न कः

रहमत ने एक धोखेबाज आदमी को छुरा मार दिया। क्या उसने ठीक किया? आपस में चर्चा करो कि अगर तुम रहमत की जगह होते तो क्या करते ?

उत्तर कः

रहमत ने एक धोखेबाज आदमी को छुरा मारकर अच्छा नहीं किया क्योंकि सजा देना कानून का काम हैं न कि आम आदमी का यदि रहमत की तरह हर आदमी ऐसे ही बदला लेने लगे तो समाज में अराजकता फैल

जाएगी । यदि रहमत कानून का सहारा लेता तो उसे जेल न जाना पड़ता और अपनी बच्ची से भी दूर नहीं होना पड़ता । यदि मैं उसकी जगह होता तो उसको पुलिस के हवाले कर देता ।

प्रश्न खः
मिनी की माँ रहमत पर नजर रखना चाहती थी परंतु पिता रहमत को मना नहीं कर पाते थे। तुम्हारे विचार में कौन सही था? क्यों?

उत्तर खः
मिनी की मॉ रहमत पर इसलिए नजर रखती थीं क्योंकि आज के समय में किसी अनजान पर एकदम भरोसा नहीं किया जा सकता यदि वह उस छोटी सी बच्ची को उठा कर ले जाए तो क्या होगा । इसके विपरीत मिनी के पिता रहमत को एक पिता के रूप में देखते थे जिसकी बच्ची उनकी बच्ची के बराबर है और उनका मानना था कि वह मिनी में अपनी बच्ची को देखता है । मेरे विचार में दोनों अपनी जगह सही थे , मगर मिनी की मॉ आज के समय के अनुसार अपने स्थान पर ज्यादा सही थीं

प्रश्न गः
मान लो तुम मिनी हो। अब अपनी कहानी पूरी कक्षा को सुनाओ।

उत्तर गः
बच्चे अपनी कल्पना के आधार पर कहानी का निर्माण करेंगे ।

प्रश्न घः
तुम नीचे लिखे वाक्य को अपनी भाषा में कैसे कहोगे ?
'पलक झपकते ही रहमत का चेहरा आनंद से खिल उठा।

उत्तर घः
पलक झपकते ही रहमत खुश हो गया ।

प्रश्न 5:
सही मिलान करो

क बे–सिर–पैर	तुरंत
ख पलक झपकते ही	बिना मतलब की
ग बँधी हुई बातें	चेहरा सामने से हटा लेना
घ बात चलना	निश्चित बातें / एक ही तरह की बातचीत
ङ मुँह फेरना	बात शुरू होना